

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

10.9.2014

पत्रांक : 58 / प्र०अ०-भवन / जून-१ / 2012-13 दिनांक / ०८/२०१४

विवियमितीकरण

मठ विनियमीकरण लाइसेंस नंबर निर्गोचन तथा चेकरा अधिनियम 1973 की धारा 32 के अन्तर्गत नियम जा रहा है, किन्तु उर्थ यह न सन्दर्भ माहिये कि उस भूमि के उद्देश्य में जिस प्र० विनियमीकरण / Revise मानदित्र खोल्दूत त्रिय ला रखा है, इससे किसी प्रकार या किसी स्थानीय निकाय या इसके उथानी अधिकारी या व्यक्ति कथा फर्ज के मालिकाना कांडित ने पर किसी का कोई असू. -डेन। उर्थात् यह अनुमति दिली के सिक्किया या रागेता के अधिकारी के लिए कोई प्रशंसन न रखेगी।

शोमन वैथोलिक लायोरिंग आफ, रिवर्सेंस इंजीनियर फर्मांडीज (विवाप आफ इलाहाबाद) द्वारा नज़ूल थी होल्ड उद्योगभागित मूख्य संस्था LL-1/2 सिविल स्टेशन इलाहाबाद जून तिथा (1) के अन्तर्गत एक्सिल विद्युलय शासन मानविक्र का विनियमीतीकरण उपायम सहायत के रूप में नियमानुकूल प्रदैवद्वारा के अधीन प्रदत्त विया जाता है।-

1. ताप्तो गार नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15(१) के नाविकारों के उद्देश्य पूर्णता प्रमाण एवं प्राप्त होने के पश्चात ही उपायम/उद्देश्य दिया जाएग, जबन नियांग एवं जिला उपायम 2008 में उत्पन्न रूपया-21.४ पर 3.1.८ से किसीति प्रतिया पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण-एवं द्वारा परस्ता उत्तरायक है।
2. एच सीएस अनुकूल (Provisional) स्तीकृति के रूप में द्वारा नियमिति पूर्ण होने के उपरान्त, सर्व आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C की शर्त पूर्ण करने के पश्चात, नियंत्र दिले जाने याके पूर्णता उपाय-पत्र प्राप्त करने के बाद दी इस परिस्तर की वास्तुकिं उपयोग में लाया जा सके।
3. उपर वर्णीयी यत्वे भाग के हरा-भरा रखने का दौरानी शरणा का होगा।
4. उपर वर्णीयी उपयोग स्वीकृत प्रस्तुतना ले अनुसार ही करना होगा।
5. ऐनवाटर हावेरिंटंग का कार्य नालक के उत्तरार पूर्ण करकर मू-पर्व जह विसार से विनापति नह करना अनियार्द होगा। उपरवय जना एज०ही०आर० अनुदूल दिला जायेगा।
6. शोलर गार दोषित स्वत्व यो स्वामन आवश्यक रूप से करना होगा।
7. यीन डेट/पार्क ले अवर्गीय रिवार्ज/टैक एवं लोरे में नानां ज्ञान
8. परितर में प्रयोजन गार पर गात्र एवं प्रयोग एवं एक विकास छार ही अनुग्रह होगा, अन्यथा की रिथति में प्राविकरण वैवानिक कार्यवाही हेतु वाद्यकारी होगा।
9. पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पूर्ण द्वितीय सुख्खा प्रमाण पत्र/दुख्ख अपि शान्त उधिकरी/शाविसाक्षी इनिकता नू-पर्व यत्वे ने दें (सिन्हाई दिला) की उत्तरायिति/प्रमाण-पत्र प्राप्त करना उत्तरायक होगा।
10. मानवीय ज्ञानात्मक में पोइ यात होने अथवा जलपन होने यी रेखाए में प्रदत्त स्तीकृति नानीय ज्ञानात्मक ले नियंत्र के अधीन होगी। यह स्तीकृति शू-त्वाविव या अविवाप्त प्रदान नहीं करती है। शू-त्वाविव सम्बन्धी कोई भी विवाद स्वत्म व्यापारिक/आविकरी द्वारा दी दिलारित किया जा सकता है।
11. चारे भावेदक द्वारा लोड महात्पूर्ण सूखा लिपारी गयी हो ते अथवा गलत सूखा हो गयी है तो एज० गार नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15 (१) के अन्तर्गत नाविकैत्र नियस्त करने योग्य होगा।
12. म्लान निर्माप दे याने गाली के लडल के नटरी अथवा सडक या गाली के किसी भाग (यो म्लान के आग भाग, पूर्ण भाग अथवा रासाके अकार के कारण ढक गई थी) को हानि पहुँचे, तो नुश्चावी तथा विलस्तन 15 दिन के भीतर अव्याप्ति गयी विकास नाविकरण दे एक लिंगार्था सूखन द्वारा और रीट नियंत्र विले जाने ली अपेक्षा करे तो अपने लार्गे से अंदरित सम्पादके अन्तर मरम्मत करकर पूर्णता उपरान्त प्राविकरण करना अनेव यो होगा।
13. ग्रह जिलों ये लक्ष्य इसक भी अवान रखना होगा कि भारतीय वेद्वाद अविनेयम 1956 (इपेड्यन इलेप्त्रिड्य) रूप्ता 13(५) नियम ६२ का उल्लंघन दिली भी दशा में न होना चाहिये। चारे विकास प्राविकरण की जानकारी में ऐसे गारले याये र्यो यह देसे नियांग यो दोक उथवा हुट्वा सवत्वा है।
14. आवेदक ये नियांगनुसार विफल प्रावेद्यन २० म्लान की नीन तक तथा छत वक बन लाने एवं उत्तके पूर्व दो जाने की भूमि म्लान आवाद होने से पूर्व देना होगा तथा दस आदी के नाम भी देना दोगा दिसके नियोजन में म्लान नियंत्र दूँड़ा है।
15. चारे नियांग में मरम्मत लाग क उल्लंघन होता यात गता हो निर्मापकर्ता गते दो गई स्वीकृति रद्द सामझी जानेगी और किस गता नियांग उन्नियुक्त प्रोत्तं कर रात्ता अविनेयम गते धारा 27 (१) के अन्तर्गत कर्यवाही आवान ली जानागी।

11-09-2014
9839050063

(पुष्टर श्रीवास्तव)
प्राविकरी विकास (१०८० २)
इलाहाबाद विकास प्राविकरण,
इलाहाबाद



